मध्य प्रदेश में बाल मृत्यु दर- एक दाग और धब्बा
एक विश्लेषण

नवम्बर 2017

Child Rights Observatory Madhya Pradesh

Seven Hills School Premise ,E-6 Arera Colony Bhopal

Phone 0755-2560466,Email cromp.in@gmail.com

मध्य प्रदेश में बाल मृत्यु दर देश भर में सबसे ज्यादा है। एक बर्ष की उम्र पूरी करने के पहले एक हजार में से 47 बच्चों की असमी ही मौत हो जाती है। लंबे समय से मध्य प्रदेश की देश के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में यह चिंताजनक स्थति बनी हुई है। यह जानकारी हाल ही में जारी एस.आर.एस बुलेटिन से प्राप्त हुई है, इस जानकारी का चाइल्ड राइट्स ऑब्जर्वेटरी मध्य प्रदेश ने विश्लेषण किया है। इस विश्लेषण से बाल मृत्यु दर का जो दृश्य उभरता है वह इस प्रकार है। (राज्यबार विस्तृत विवरण तालिका -1 में देखें)

- तीन बर्ष पूर्व मध्य प्रदेश और आसम राज्य में बाल मृत्यु दर एक सामान थी ,यह दर देश में सबसे अधिक थी. दोनों ही राज्यों में एक हजार जन्मे बच्चों में से 54 बच्चे एक बर्ष की आयु पूरी नहीं कर पाते थे। बर्ष 2017 की स्थिति में जहाँ आसम में एक हजार बच्चों में से 44 बच्चे जीवित नहीं रह पातें हैं जबकि मध्य प्रदेश में 47 बच्चों की मौत जन्म के एक बर्ष के अन्दर हो जाती है।देश की औसत बाल मृत्यु दर 34 है।
- राष्ट्रीय स्वास्थ सर्वे -तीन के अनुसार मध्य के सर्बाधिक सातसर्बाधिक पिछड़े जिलों में जहाँ यह दर 70 के ऊपर है उनमे पन्ना (85),सतना (83)गुना (75), दतिया (73), शेओपुर (72),शहडोल और दमोह में यह दर 71 है। जिला बाल मृत्यु दर के आँकड़े तालिका -2 में देखें। चाइल्ड राइट्स ऑब्जर्वेटरी द्वारा किये मध्य प्रदेश विधान सभा के पिछले सत्र के बच्चों से सम्बंधित पूछे प्रश्नों के विश्लेषण में यह पाया कि इन जिलों के किसी भी विधायक ने इस चिंतनीय स्थिति के विषय में कोई प्रश्न नहीं पूछा।
- जम्मू कश्मीर आसम ,हिमाचल प्रदेश और केंद्र शासित प्रदेश दादर नगर हबेली में ऐसी रणनीति और कार्यक्रम अपनाए गए कि वहां बाल मृत्यु दर के मामलों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। बाल मृत्यु दर में देश में सबसे अधिक मध्य प्रदेश से दो गुनी गिराबट 14 अंक की केंद्र शासित प्रदेश दादर नगर हबेली में दर्ज हुई, गिराबट में दूसरे पायदान पर जम्मू कश्मीर 13 अंक वहीँ आसम और हिमाचल प्रदेश में 10-10 अंक की गिराबट दर्ज की गई. छत्तीसगढ़, कर्नाटक और केंद्र शासित प्रदेश पुडूचेरी 7 अंकों की गिराबट दर्ज की गई।
- देश के तीन राज्यों उत्तराखंड,अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में बाल मृत्यु दर में नकारात्मक यानि वृद्धि दर्ज हुई.सकारात्मक संकेत है कि देश के किसी भी राज्य के ग्रामीण क्षेत्र में बाल मृत्यु दर में वृद्धि दर्ज नहीं हुई।
- केंद्र सरकार द्वारा पिछड़े राज्यों के में चिन्हित (Empowered Action Group) राज्यों नौ क्रमश: आसाम, बिहार ,छत्तीसगढ़, झारखण्ड ,मध्य प्रदेश,ओडिशा, राजस्थान, उत्तर

प्रदेश और उत्तराखंड में बाल मृत्यु दर 29 तक पहुच गया है। जबकि मध्य प्रदेश 47 अंक पर अटका हुआ है।

मध्य प्रदेश में बाल मृत्यु दर को प्रभावित करने बाले प्रमुख कारण

1-बाल विवाह-बाल विवाह के मामलों में मध्य प्रदेश देश के उन 8 शीर्ष राज्यों में है जहाँ सबसे ज्यादा बालिकाओं के बाल विवाह होते हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ सर्वेक्षण रिपोर्ट 2015-16 के अनुसार देश में 20-24 बर्ष की 26.8 प्रतिशत महिलाओ का विवाह 18 बर्ष की आयु से कम में हुआ।प्रदेश में15 से 19 बर्ष की आयु की 7.3 प्रतिशत विवाहित महिलायें गर्भवती हो जातीं हैं या बच्चों को जन्म दे देती हैं।

3-स्तनपान- राष्ट्रीय परिवार और स्वास्थ सर्वेक्षण 2015-16 के अनुसार मध्य प्रदेश में 34.5 प्रतिशत शिशुओं को जन्म के एक घंटे के अन्दर स्तनपान कराया जाता है। देश के 36 **राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मध्य प्रदेश 29 स्थान पर है।** देश में संस्थागत प्रसव की दर 78.9 प्रतिशत है और मध्य प्रदेश में यह दर 80.8 प्रतिशत हैं। प्रदेश के शहरी क्षेत्र में संस्थागत प्रसव की दर 93.8 तो ग्रामीण क्षेत्र में यह दर 76.4 प्रतिशत है। आदर्श स्थिति वह होती है जहाँ बच्चे का जन्म हो और उसके बाद पोषण और आहार सम्बंधित संकेतानकों में या आसान भाषा में कहें तो सुबिधाओं में बढोतरी होनी चाहिए जो उसके विकास में बेहतर भूमिका निभा सके शिशु को जन्म बाद के में 6 माह तक लगातार केबल माँ का दूध ही दिया जाना चाहिए लेकिन प्रदेश में 58.2 प्रतिशत बच्चों को ही माँ का दूध मिल पाता है, **देश के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मध्य प्रदेश 20 वे स्थान पर है।**

4-बच्चों में खून की कमी - राष्ट्रीय परिवार और स्वास्थ सर्वेक्षण 2015-16 के अनुसार मध्य प्रदेश में 6-59 माह के 68.9 प्रतिशत बच्चों में खून की कमी है। बच्चों में खून की कमी के ममलों में मध्य प्रदेश 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में छटवे स्थान पर है।इसका अर्थ राज्य में व्याप्त कुपोषण से है। पर्याप्त और पोष्टिक आहार न मिलने के कारण बचपन दम तोड़ता नजर आता है।

5-महिला साक्षरता -महिला का साक्षरता होनामातृत्व एवं शिशु स्वास्थ देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। राष्ट्रीय परिवार और स्वास्थ सर्वेक्षण 2015-16 के अनुसार मध्य प्रदेश 33 वे स्थान पर है। प्रदेश की 40.60 प्रतिशत महिलाएं निरक्षर हैं।

6-प्रसव पूर्व और प्रसव बाद सम्पूर्ण जांच- गर्भवती महिलाओं और शिशु के जन्म के बाद धात्री माताओं की स्वास्थ जांचें बहुत महत्वपूर्ण होतीं हैं। महिलाओं की सम्पूर्ण जांच के मामले में मध्य प्रदेश की स्थिति अन्य स्वास्थ संकेतानकों की तरह चिंताजनक है। प्रदेश में महज 7.6 प्रतिशत माताओं की ही सम्पूर्ण स्वास्थ जांचें हो पाती हैं। सम्पूर्ण स्वास्थ जांच के मामलों में मध्य प्रदेश का देश में 33 वा स्थान हैं।

7-महिलाओं का समान्य से कम बॉडी मॉस इंडेक्स (BMI)-उम्र के अनुसार सामान्य वजन और उंचाई अच्छे स्वास्थ कापहचान होती है। महिलाओं का सामान्य बॉडी मॉस इंडेक्स स्वयं और उसके शिशु के स्वास्थ को प्रभावित करता है। मध्य प्रदेश इस मामले में भी देश में निचले पायदान पर हैं। प्रदेश मे 28.3 प्रतिशत महिलाओं का बॉडी मॉस इंडेक्स सामान्य से कम हैं।मध्य प्रदेश 31 वे पायदान पर है।

8-टीकाकरण-देश में बच्चों की ज्यादातर मौत उन कारणों से होती हैं जिनकी समय रहते रोकथाम की जा सकती है। बच्चों की मौत की रोकथाम में टीकाकरण बहुत ही सहायक तत्व है जो बच्चों को दो बर्ष तक की उम्र में लग जाने चाहिए किन्तु मध्य प्रदेश में 100 में से महज 53 बच्चों का ही सम्पूर्ण टीकाकरण हो पाता है। मध्य प्रदेश 12-23 माह तक के बच्चों के सम्पूर्ण टीकाकरण के मामले में देश में 29 वे पायदान पर है।

9-गर्भवती महिलाओं में खून की कमी -मध्य प्रदेश गर्भवती महिलाओं में खून की कमी के मामलों में देश में 7 वे स्थान पर है। प्रदेश की 54.6 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं में खून की कमी है। उपरोक्त संक्तोनाकों के राज्यबार स्थिति तलिका 3 से 3-c तक में देखें।

फील्ड डाटा- पांच जिले क्रमश: खरगोन,खंडवा,हरदा सिंगरोली और शेओपुर के छ: बाल मृत्यु दर के मामलों की जानकारी एकत्र की गई। सभी माताएं आंगनबाडी केंद्र में पंजीकृत थीं जहाँ उनकी सभी जाचें हुई और आंगनबाडी से मिलाने बाली सभी सेवाओं का लाभ भी मिला। सभी मृत बच्चों का जन्म अस्पताल में हुआ। सभी बच्चे सरकारी सिस्टम की निगरानी में थें। बच्चों के जन्म के समय वजन और मौत के कारण परिशिष्ट -1 में देखें।

निष्कर्ष

प्रदेश में बाल मृत्यु दर से सम्बंधित संकेतानक जो इसकी स्थिरता, वृद्धि और गिराबट को प्रभावित कराते हैं में भी प्रदेश की स्थिति गंभीर है। बाल मृत्यु दर की इस गंभीर स्थिति के निराकरण के लिए आवश्यक है कि इन प्रभावित करने वाले कारको को न केबल प्राथमिकता में रखें वल्कि इन मुद्दों पर नतीजे देने वाली कार्यवाही भी हो। जरूरी होगा कि इसे केंद्र में

रखकर स्वास्थ सेवाओं को मजबूती दी जाए। हमारे सामने पल्स पोलियो,टीबी,कुष्ठ रोग और आख्नों से सम्बंधित बिमारीयोंके उन्मूलन को लेकर सरकारों की और से सफल पहल हुई हैं।बाल मृत्यु दर के मामले में भी इस तरह की पहल का अनुकरण किया जाना चाहिए। बाल मृत्यु के मामले में पडोसी राज्य महाराष्ट्र की स्थिति बेहतर है जहाँ यह दर 19 है।बाल मृत्यु दर को कम करने में पंचायतों के माध्यम से समुदाय की भूमिका सुनिश्चित की जा सकती है। पडोसी राज्य महाराष्ट्र इसका सबसे सफल उदाहरण है जहाँ पंचायतों ने सक्रीय और नतीजे देने वाली भूमिका निभायी है।मध्य प्रदेश के स्वास्थ,पंचायत और महिला एवं बाल विकास से जुड़े अमले को महाराष्ट्र माडल का अध्ययन कर मध्य प्रदेश में इसे अपनाने की पहल करना चाहिए।

Table -1 ,Improvement on IMR in last three years by state and area

		2014			2017		
S.No.		Rate			Rate		
1	States	Total	Rural	Urban	Total	Rural	Urban
1	Madhya Pradesh	54	57	37	47	50	33
2	Odisha	51	53	38	44	46	34
3	Assam	54	56	32	44	46	22
4	Uttar Pradesh	50	53	38	43	46	34
5	Rajasthan	47	51	30	41	45	30
6	Chhattisgarh	46	47	38	39	41	31
7	Meghalaya	47	48	40	39	40	26
8	Bihar	42	42	33	38	39	29
9	Uttarakhand	32	34	22	38	41	29
10	Arunachal Pradesh	32	36	14	36	38	23
11	Andhra Pradesh	39	44	29	34	38	24
12	Haryana	41	44	32	33	35	27
13	Telangana				31	35	24
14	Gujrat	36	43	22	30	38	19
15	Jharkhand	37	38	28	29	31	21
16	Mizoram	35	44	19	27	35	14
17	West Bengal	31	32	26	25	25	22
18	Himachal Pradesh	35	35	23	25	25	19
19	Jammu & Kashmir	37	39	28	24	25	23
20	Karnataka	31	34	24	24	27	19
21	Tripura	26	27	19	24	21	32
22	Punjab	26	28	23	21	23	18
23	Maharashtra	24	29	16	19	24	13
24	Daman & Diu	20	17	26	19	18	19
25	Lakshadweep	24	20	28	19	16	20
26	Delhi	24	35	22	18	24	17

27	Tamil Nadu	21	24	17	17	20	14
28	Dadra & Nagar Haveli	31	34	22	17	24	12
29	Sikkim	22	23	15	16	18	13
30	Andaman & Nicobar Islands 1	24	29	13	16	12	22
31	Chandigarh	21	18	21	14	6	14
32	Nagaland	18	18	19	12	11	14
33	Manipur	10	10	10	11	12	10
34	Puducherry	17	20	15	10	16	8
35	Kerala	12	13	9	10	10	10
36	Goa	9	8	10	8	10	7
35	**India**	**40**	**44**	**27**	**34**	**38**	**23**

Table -2 IMR rate in Districts of Madhya Pradesh -2012-13

Name of District	Total	Total Rural	Total Urban
Balaghat	59	60	53
Barwani	66	65	70
Betul	61	63	47
Bhind	54	62	39
Bhopal	48	61	44
Chhatarpur	63	67	43
Chhindwara	69	75	52
Damoh	71	78	41
Datia	73	76	65
Dewas	56	60	46
Dhar	54	54	53
Dindhori	66	66	-
East Nimar	67	65	73
Guna	75	81	54
Gwalior	48	58	43
Harda	63	65	51
Hoshangabad	59	69	35
Indore	37	52	32
Jabalpur	48	53	43
Jhabua	64	67	-
Katni	65	72	39
Mandla	68	71	33
Mandsaur	60	65	44
Morena	59	56	68
Narsimhapur	62	67	31
Neemuch	55	61	45
Panna	85	87	70
Raisen	69	73	51
Rajgarh	60	62	46

Ratlam	65	77	44
Rewa	68	72	-
Sagar	69	76	53
Satna	83	92	54
Sehore	67	71	-
Seoni	67	70	30
Shahdol	71	73	64
Shajapur	56	57	54
Sheopur	72	75	50
Shivpuri	69	67	80
Sidhi	67	70	47
Tikamgarh	61	63	55
Ujjain	54	61	41
Umaria	60	61	53
Vidisha	65	71	45
West Nimar	56	58	47
Madhya Pradesh	62	68	47

Annual Health Survey 2012-13

Table 3 A- Child marriage in state of India 2015-16

	Women age 20-24 years married before age 18 years -Total		**Women age 20-24 years married before age 18 years -Rural**		
Rank	State	Percentage	Rank	State	Percentage
1	West Bengal	40.7	1	West Bengal	46.3
2	Bihar	39.1	2	Jharkhand	44.3
3	Jharkhand	38	3	Bihar	40.9
4	Rajasthan	35.4	4	Rajasthan	40.5
5	Andhra Pradesh-	32.7	5	Madhya Pradesh	35.8
6	Assam	32.6	6	Andhra Pradesh-	35.5
7	Tripura	32.2	7	Telangana	35
8	Madhya Pradesh	30	8	Tripura	34.8
9	Dadra & Nagar Haveli	27.8	9	Assam	33.9
10	Telangana	25.7	10	Maharashtra	31.5
11	Daman & Diu	25.4	11	Gujarat	30.7
12	Maharashtra	25.1	12	Dadra & Nagar Haveli	27.5
13	Gujarat	24.9	13	Karnataka	27
14	Arunachal Pradesh	23.5	14	Arunachal Pradesh	25.5

15	Karnataka	23.2	15	Uttar Pradesh	24.9
16	Chhattisgarh	21.3	16	Chhattisgarh	23.5
17	Odisha	21.3	17	Odisha	21.7
18	Uttar Pradesh	21.2	18	Andaman & Nicobar Islands	20.4
19	Haryana	18.5	19	Meghalaya	19.3
20	Andaman & Nicobar Islands	17.1	20	Tamil Nadu	18.3
21	Meghalaya	16.5	21	Daman & Diu	18.2
22	Tamil Nadu	15.7	22	Haryana	17.8
23	Sikkim	14.5	23	Mizoram	17
24	Uttarakhand	13.9	24	Nagaland	15.8
25	Nagaland	13.3	25	Uttarakhand	14.8
26	Manipur	13.1	26	Manipur	14.3
27	NCT Delhi	13	27	Sikkim	13.6
28	Chandigarh	12.7	28	Jammu & Kashmir	10.3
29	Mizoram	10.8	29	Puducherry	10.2
30	Puducherry	10.7	30	Himachal Pradesh	8.8
31	Goa-	9.8	31	Punjab	8.1
32	Jammu & Kashmir	8.7	32	Keral	7.5
33	Himachal Pradesh	8.6	33	Goa-	2.7
34	Keral	7.6	34	Lakshadweep	0
35	Punjab	7.6	35	Chandigarh	NO data
36	Lakshadweep	0.9	36	NCT Delhi	NO data
	India	**31.5**		**India**	**26.8**

NFHS-4

Table 3-B Women health related indicators

Women who are literate			Mothers who had full antenatal care		
Rank	States	Rate	Rank	States	Rate
1	Kerala	97.90	1	Telangana	66.4
2	Lakshadweep	95.70	2	Daman & Diu	63.4
3	Mizoram	93.50	3	Tamil Nadu	61.2
4	Goa	89.00	4	Odisha	55.6
5	Himachal Pradesh	88.20	5	Kerala	53.6

6	Sikkim	86.60	6	Dadra & Nagar Haveli	45
7	Manipur	85.00	7	Lakshadweep	43.9
8	Puducherry	84.80	8	Uttar Pradesh	42.2
9	Andaman & Nicobar Islands	84.10	9	Andhra Pradesh	39
10	Chandigarh	83.20	10	Karnataka	38.5
11	Daman & Diu	83.10	11	Chandigarh	37.3
12	Meghalaya	82.80	12	Punjab	36.9
13	Delhi	81.80	13	Sikkim	34.7
14	Punjab	81.40	14	Gujarat	33.9
15	Nagaland	81.00	15	Puducherry	33.1
16	Tripura	80.40	16	Maharashtra	32.9
17	Maharashtra	80.30	17	Haryana	32.4
18	Tamil Nadu	79.40	18	Meghalaya	30.7
19	Telangana	76.50	19	Chhattisgarh	30.7
20	Uttarakhand	76.50	20	Andaman & Nicobar Islands	29.9
21	Haryana	75.40	21	Nagaland	26.8
22	Gujarat	72.90	22	Assam	23.5
23	Assam	71.80	23	Jammu & Kashmir	23.1
24	Karnataka	71.70	24	Bihar	21.8
25	West Bengal	71.00	25	Manipur	21.7
26	Jammu & Kashmir	69.00	26	Delhi	19.5
27	Odisha	67.40	27	Goa	18.1
28	Chhattisgarh	66.30	28	Rajasthan	11.5
29	Arunachal Pradesh	65.60	29	Uttarakhand	11.4
30	Andhra Pradesh	62.90	30	Arunachal Pradesh	9.7
31	Dadra & Nagar Haveli	62.50	31	Tripura	8
32	Uttar Pradesh	61.00	32	Madhya Pradesh	7.6
33	Madhya	59.40	33	Jharkhand	5.9

	Pradesh				
34	Jharkhand	59.00	34	Mizoram	3.6
35	Rajasthan	56.50	35	Himachal Pradesh	3.3
36	Bihar	49.60	36	West Bengal	2.4

Source –NFHS-4

Table 3-C Women health related indicators

Women whose Body Mass Index (BMI) is below normal (BMI < 18.5 kg/m2			Pregnant women age 15-49 years who are anaemic		
Rank	States	Rate	Rank	States	Rate
1	Sikkim	6.4	1	Dadra & Nagar Haveli	67.9
2	Mizoram	8.3	2	Jharkhand	62.6
3	Arunachal Pradesh	8.5	3	Andaman & Nicobar Islands	61.4
4	Manipur	8.8	4	Bihar	58.3
5	Kerala	9.7	5	Telangana	55.1
6	Punjab	11.7	6	Haryana	55
7	Jammu & Kashmir	12.1	7	Madhya Pradesh	54.6
8	Meghalaya	12.1	8	Tripura	54.4
9	Nagaland	12.2	9	West Bengal	53.6
10	Lakshadweep	12.5	10	Meghalaya	53.1
11	Delhi	12.8	11	Andhra Pradesh	52.9
12	Daman & Diu	12.9	12	Gujarat	51.3
13	Andaman & Nicobar Islands	13.1	13	Uttar Pradesh	51
14	Puducherry	13.2	14	Himachal Pradesh	50.2
15	Chandigarh	13.3	15	Maharashtra	49.3
16	Tamil Nadu	14.6	16	Odisha	47.6
17	Goa	14.7	17	Rajasthan	46.6
18	Haryana	15.8	18	Karnataka	45.4
19	Himachal Pradesh	16.2	19	Uttarakhand	45.2
20	Andhra Pradesh	17.6	20	Delhi	45.1

21	Tripura	18.9	21	Assam	44.8
22	Karnataka	20.7	22	Tamil Nadu	44.4
23	West Bengal	21.3	23	Punjab	42
24	Maharashtra	23.5	24	Chhattisgarh	41.5
25	Uttar Pradesh	25.3	25	Jammu & Kashmir	38.1
26	Assam	25.7	26	Goa	36.9
27	Odisha	26.4	27	Lakshadweep	36.5
28	Chhattisgarh	26.7	28	Arunachal Pradesh	33.8
29	Rajasthan	27	29	Nagaland	28.9
30	Gujarat	27.2	30	Puducherry	26
31	Madhya Pradesh	28.3	31	Mizoram	24.5
32	Dadra & Nagar Haveli	28.5	32	Manipur	23.9
33	Telangana	29	33	Sikkim	23.6
34	Bihar	30.4	34	Kerala	22.6
35	Jharkhand	31.5	35	Daman & Diu	NA
36	Uttarakhand	59.8	36	Daman & Diu	NA

Source –NFHS-4